कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS • IPS • MPPSC • CJ-II

CURRENT AFFAIR

04th JULY 2023

1. भारत – फिलीपींस साझेदारी और दक्षिण चीन सागर
2. गुजरात के लोथल में 'राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (NMHC)'
3. एस्पार्टेम
4. यूएई- भारत आर्थिक शिखर सम्मेलन
5. 'पंचायत विकास सूचकांक'

भारत - फिलीपींस साझेदारी और दक्षिण चीन सागर

- भारत और फिलीपींस ने द्विपक्षीय सहयोग पर **संयुक्त आयोग (JCBC)** की 5वीं बैठक का आयोजन किया है।
- इस दौरान दोनों देशों ने अपनी रक्षा साझेदारी का विस्तार करने का निर्णय लिया।
- **दक्षिण चीन सागर क्षेत्र** पर चीन द्वारा अपना दावा करने की वजह से भारत-फिलीपींस साझेदारी में रक्षा क्षेत्रक एक प्रमुख स्तंभ बन गया है।
- भारत ने सभी हितधारकों से 2016 में **परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन** द्वारा दक्षिण चीन सागर (SCS) पर दिए गए फैसले का पालन करने की अपील की है। साथ ही, **संयुक्त राष्ट्र समुद्र कानून अभिसमय (UNCLOS)** का सम्मान करने का आह्वान किया है।
- इस फैसले में दक्षिण चीन सागर के जल क्षेत्र पर चीन के व्यापक दावों का खंडन किया गया है। इस क्षेत्र को लेकर चीन का दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के साथ विवाद है।
- **दक्षिण चीन सागर विवाद :** चीन दक्षिण चीन सागर के 90% हिस्से पर अपना दावा करता है। उसका यह दावा U-आकार की नाइन- डैश लाइन पर आधारित है।
  - **क्षेत्रीय विवादः** ब्रुनेई, मलेशिया, फिलीपींस, ताइवान और वियतनाम दक्षिण चीन सागर पर चीन के इस दावे का विरोध करते हैं।

➔ **दक्षिण चीन सागर में भारत के हित:**

- इस क्षेत्र से जुड़े वाणिज्यिक हित,
- नौवहन की स्वतंत्रता और
- नियम-आधारित क्षेत्रीय व्यवस्था।

➔ **UNCLOS** को 1982 में अपनाया गया था और 1994 में लागू किया गया था।

➔ यह दुनिया के महासागरों और समुद्रों पर कानून व व्यवस्था की एक व्यापक रूपरेखा निर्धारित करता है।

➔ साथ ही, यह महासागरों और उनके संसाधनों के सभी प्रकार के उपयोगों को शासित करने वाले नियम भी बनाता है।

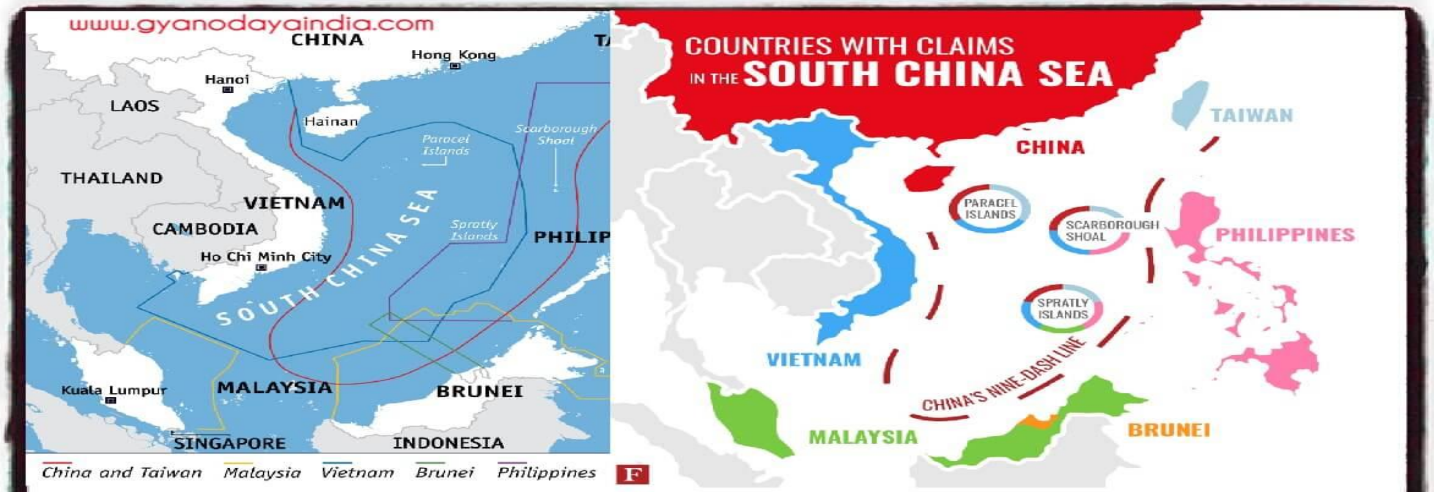

दक्षिण चीन सागर विवाद

गुजरात के लोथल में 'राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (NMHC)'

- पत्तन पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (MoPSW) लोथल में एक विश्व स्तरीय सुविधाओं से युक्त **NMHC** विकसित कर रहा है।
- इसका विकास सागरमाला कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भारत की समृद्ध और विविधतापूर्ण समुद्री विरासत को प्रदर्शित करना है।
- इसमें प्राचीन से लेकर आधुनिक काल तक की सभी विविधतापूर्ण और समृद्ध कलाकृतियों को शिक्षा - सह - मनोरंजन (Edutainment) उद्देश्यों के लिए संग्रहीत किया जाएगा।
- **इस परिसर में निम्नलिखित शामिल होंगे:**
  - विश्व का सबसे ऊंचा लाइट हाउस संग्रहालय,
  - विश्व की सबसे बड़ी खुली जलीय गैलरी और
  - भारत का सबसे बड़ा नौसैनिक संग्रहालय।
- इसे विश्व के सबसे बड़े पर्यटन स्थलों में से एक के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- इसे **MoPSW** और **संस्कृति मंत्रालय** द्वारा राष्ट्रीय संस्कृति निधि के तहत दिए गए अनुदान के माध्यम से वित्त पोषित किया जा रहा है।

➔ लोथल के बारे में;-

- यह सिंधु घाटी सभ्यता (IVC) का एक प्रमुख नगर था। यहां से **2400 ईसा पूर्व** की सबसे पुरानी मानव निर्मित शुष्क गोदी (Dry Dock) के प्रमाण प्राप्त हुए हैं।
- यह स्थल खंभात की खाड़ी के पास भोगवा और साबरमती नदियों के बीच स्थित है।
- इसे 2014 में यूनेस्को के विश्व विरासत स्थल के रूप में सूचीबद्ध करने के लिए नामांकित किया गया था। हालांकि, अभी भी यह यूनेस्को की अनतिम (tentative) सूची में ही है।

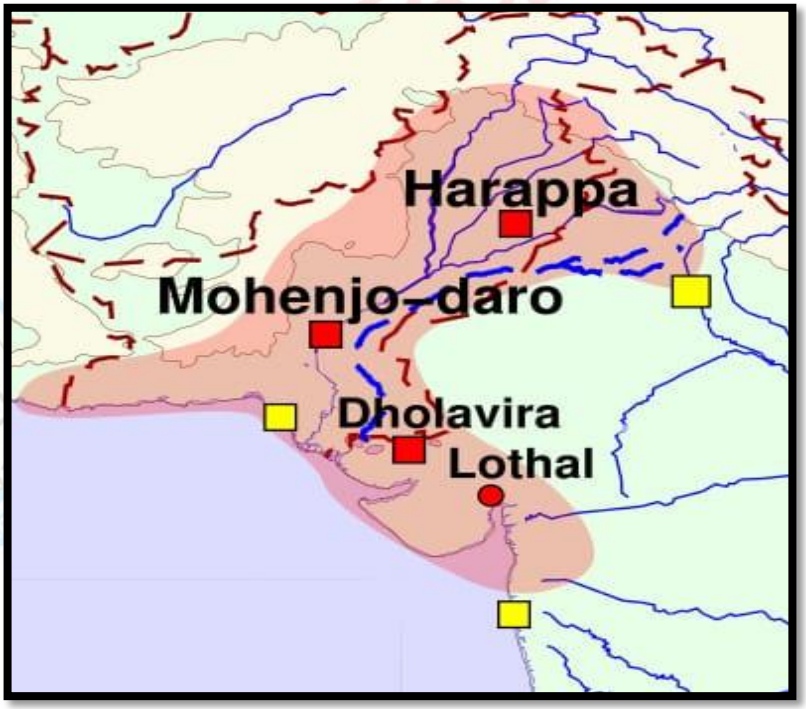

➔ सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में;-

- इसे हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है।
- यह तत्कालीन विश्व की चार प्राचीन नगरीय सभ्यताओं में से सबसे बड़ी (भौगोलिक) सभ्यता थी। अन्य तीन सभ्यताएं हैं- **मिस्र, मेसोपोटामिया** और **चीन** की सभ्यता।
- यह सभ्यता **लगभग 2,500 ईसा पूर्व** में पश्चिमी दक्षिण एशिया में में फली फूली थी। वर्तमान में यह पाकिस्तान और उत्तर-पश्चिम भारत का क्षेत्र है।

- **सागरमाला कार्यक्रम:** MoPSW ने 2015 में यह कार्यक्रम शुरू किया था।
- इस कार्यक्रम के तहत भारत की **7500 कि.मी. लंबी तटरेखा** के साथ समग्र बंदरगाह अवसंरचना का विकास किया जा रहा है।

एस्पार्टेम

- हाल ही में **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** की कैंसर अनुसंधान शाखा लोकप्रिय चीनी विकल्प एस्पार्टेम को **"संभवतः मनुष्यों के लिए कैंसरकारी"** के रूप में सूचीबद्ध करने की तैयारी में है।
- एस्पार्टेम को दुनियाभर में कृत्रिम शुगर के नाम से भी जाना जाता है।
- रासायनिक रूप से, एस्पार्टेम दो प्राकृतिक अमीनो एसिड, एल-एसपारटिक एसिड और एल-फेनिलएलनिन के डाइपेप्टाइड (Di-Peptide) का मिथाइल एस्टर है।
- इसकी **खोज 1965** में अमेरिकी फार्मास्युटिकल कंपनी जी डी सियरल एंड कंपनी (जो अब फाइजर की सहायक कंपनी है) के एक रसायनज्ञ **जेम्स एम श्लैटर** ने की थी।
- इसका उपयोग आहार शीतल पेय, शुगर-फ्री च्युइंग गम, शुगर-फ्री आइसक्रीम, शुगर-फ्री नाश्ता अनाज आदि की एक विस्तृत श्रृंखला में किया जाता है।
- **FDA** के अनुसार, एस्पार्टेम टेबल चीनी की तुलना में **लगभग 200 गुना अधिक मीठा** होता है।
- एस्पार्टेम को कैलोरी कम करने या वजन कम करने की कोशिश करने वाले या मधुमेह रोगियों द्वारा पसंद किया जाता है, क्योंकि जहां 2 चम्मच (8 ग्राम) चीनी लगभग **32 किलो कैलोरी ऊर्जा** प्रदान करती है, वहीं 1 ग्राम एस्पार्टेम केवल 4 किलो कैलोरी होती है।

➔ अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि नियमित कोला की **12 फ़्लूड आउंस** (लगभग 350 मिली) कैन में **लगभग 10 चम्मच चीनी** होती है, जबकि एस्पार्टेम युक्त कोला की समान मात्रा में केवल 7 किलो कैलोरी होती है।

➔ दरअसल, डाइट फ़िज़ी पेय के डिब्बे/बोतलों पर अक्सर पैकेजिंग पर **"शून्य चीनी"** या **"शून्य कैलोरी"** लिखा होता है।

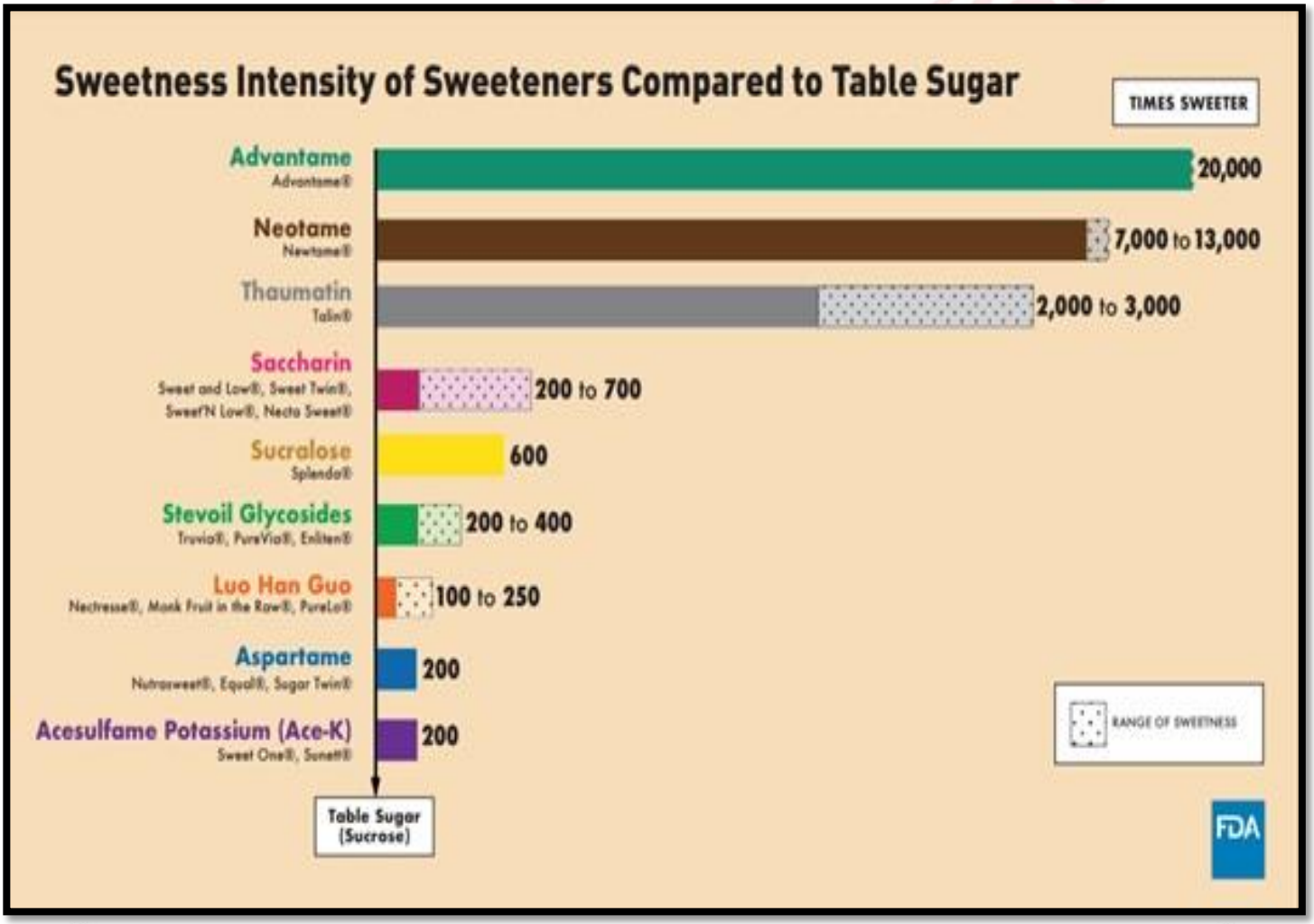

यूएई- भारत आर्थिक शिखर सम्मेलन

- संयुक्त अरब अमीरात भारत आर्थिक शिखर सम्मेलन **3 जुलाई** को **अबू धाबी** के **अल मरियाह द्वीप** में एडीजीएम सभागार में आयोजित किया गया था।
- इसे **"सहक्रियाओं को बढ़ावा देना फाल्कन और टाइगर अर्थव्यवस्थाओं को एकजुट करना"** थीम के तहत आयोजित किया गया।
- इसकी मेजबानी संयुक्त रूप से एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईसीएपीएस) और अबू धाबी ग्लोबल मार्केट (एडीजीएम) ने की।
- इसमें भारत और संयुक्त अरब अमीरात से उद्योग जगत के नेता शामिल हुए और एसबीआईसीएपीएस एडीजीएम शाखा कार्यालय का आधिकारिक उद्घाटन हुआ।
- शिखर सम्मेलन के दौरान स्टार्टअप, हरित ऊर्जा, पूंजी बाजार और तनावग्रस्त संपत्ति समाधान जैसे कई विषयों पर चर्चा की गई।
- सम्मेलन में नई अर्थव्यवस्था में प्रमुख विषयों पर चर्चा करते हुए पैनल चर्चाओं की एक श्रृंखला हुई।
- स्थिरता और हरित ऊर्जा पैनल ने टिकाऊ परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण विकल्पों, जलवायु-सचेत निवेश, टिकाऊ वित्त के नियामक पहलुओं और कार्बन व्यापार के प्रभाव पर चर्चा की।

- पूंजी बाजार पैनल ने पूंजी बाजार और निवेश के अवसरों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।
- एक पैनल ने तनावग्रस्त परिसंपत्ति समाधान पर भी चर्चा की।
- **यूएई- भारत आर्थिक शिखर सम्मेलन** ने न केवल दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत किया है बल्कि दोनों देशों के लिए निवेश और समृद्धि का रास्ता भी खोला है।

'पंचायत विकास सूचकांक'

- केंद्रीय पंचायती राज राज्य मंत्री **कपिल मोरेश्वर पाटिल** ने कहा कि गांवों में लक्षित विकास के लिए विभिन्न संकेतकों का मूल्यांकन करने के लिहाज से केंद्र सरकार ने **'पंचायत विकास सूचकांक'** (पीडीआई) तैयार किया है।
- सूचकांक पंचायत स्तर पर विकास को मापने और निगरानी करने के लिए एक सांख्यिकीय उपकरण की तरह काम करेगा। प्रायोगिक आधार पर, इसके तहत **महाराष्ट्र के चार जिलों –** पुणे, सांगली, सतारा और सोलापुर के आंकड़ों का संकलन किया गया।
- **PDI** एक समग्र सूचकांक है जो सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) के स्थानीयकरण को प्राप्त करने में पंचायतों के प्रदर्शन को मापता है।
- यह पंचायतों की विकास स्थिति का समग्र और साक्ष्य-आधारित मूल्यांकन प्रदान करता है तथा उनकी शक्ति एवं कमज़ोरियों को उजागर करता है।
- **PDI** का उद्देश्य पंचायतों और हितधारकों के बीच उनके महत्त्व के विषय में जागरूकता बढ़ाकर **SDG** के स्थानीयकरण को बढ़ावा देना है।
- यह सतत् विकास लक्ष्य (SDG) हासिल करने में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिये पंचायतों को सर्वोत्तम प्रथाओं और नवाचारों को अपनाने के लिये प्रोत्साहित करता है।

- पंचायत विकास सूचकांक, ज़िला, ब्लॉक और गाँव सहित विभिन्न स्तरों पर पंचायतों को उनके कुल स्कोर के आधार पर रैंकिंग प्रदान करता है।
- **पंचायतों को चार ग्रेडों में वर्गीकृत किया गया है:** D (स्कोर 40% से कम), C (40-60%), B (60-75%), A(75-90%) और A+ (90% से ऊपर)।
- पंचायत विकास सूचकांक नौ विषयों पर विचार करता है, जिनमें गरीबी मुक्त और उन्नत आजीविका, स्वस्थ गाँव, बाल-सुलभ गाँव, जल-पर्याप्त गाँव, स्वच्छ और हरित गाँव, आत्मनिर्भर बुनियादी ढाँचा, सामाजिक रूप से न्यायसंगत एवं सुरक्षित गाँव, सुशासन तथा महिला-अनुकूल गाँव शामिल हैं।
- पंचायती राज संस्थान (Panchayati Raj Institution- PRI) भारत में ग्रामीण स्थानीय स्वशासन (Rural Local Self-government) की एक प्रणाली है।
- स्थानीय स्वशासन स्थानीय लोगों द्वारा चुने गए स्थानीय निकायों द्वारा स्थानीय मामलों का प्रबंधन है।
- स्थानीय स्तर पर लोकतंत्र की स्थापना के लिये **73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992** के माध्यम से पंचायती राज संस्थान (Panchayati Raj Institution) को संवैधानिक स्थिति प्रदान की गई और उन्हें देश में ग्रामीण विकास का कार्य सौंपा गया।